भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1780

10 फरवरी, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: प्राकृतिक कृषि संबंधी राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रमाणन ढांचा

1780. श्रीमती महुआ मोइत्राः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्राकृतिक कृषि संबंधी राष्ट्रीय मिशन (एनएमएनएफ) के अंतर्गत प्रमाणन ढांचे को अगस्त, 2025 में ही अंतिम रूप दे दिया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि क्षेत्रीय परिषदों को दिसम्बर, 2025 में एक परिपत्र जारी किया गया था जिसमें उन्हें प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 5000 से 10,000 के बीच गैर-योजना वाले किसानों को छह माह के भीतर पंजीकृत करने की अनिवार्य आवश्यकता थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस परिपत्र में क्षेत्रीय परिषदों को यह धमकी दी गई थी कि यदि लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जाता है तो वे प्राधिकार रद्द कर देंगे; और

(घ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि उक्त प्रकार के लक्ष्यों को पूरा करने के प्रयास से प्रमाणन प्रणाली और प्राकृतिक खेती की विश्वसनीयता कम हो सकती है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के लिए प्रचालन दिशा-निर्देश दिनांक 26 दिसंबर, 2024 को जारी किए गए थे और प्राकृतिक खेती प्रमाणन प्रणाली (एनएफसीएस) के लिए दिशा-निर्देश दिनांक 05 जून, 2025 को जारी किए गए थे। दोनों दस्तावेज वेबसाइट (https://naturalfarming.dac.gov.in/) पर उपलब्ध हैं।

(ख) से (घ): प्राकृतिक खेती मानकों के अनुरूप प्राकृतिक खेती उत्पादों के प्रमाणीकरण के लिए "पीजीएस-इंडिया नैचुरल" के रूप में प्राकृतिक खेती प्रमाणन प्रणाली (एनएफसीएस) आरंभ की गई है। यह राष्ट्रीय जैविक और प्राकृतिक खेती केंद्र (एनसीओएनएफ) के माध्यम से कार्यान्वित एक ऑनलाइन प्रमाणन प्रणाली है। एनसीओएनएफ ने दिनांक 02.12.2025 को एक परिपत्र जारी कर क्षेत्रीय परिषदों को प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को एक सांकेतिक मानक के तहत सक्रिय रूप से पंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित किया था ताकि समय पर सीजन का प्रमाणन सुनिश्चित किया जा सके। प्रमाणन से किसानों को प्राकृतिक उत्पादों के लिए प्रीमियम मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलती है। देश भर में बड़ी संख्या में किसान बिना प्रमाणन के कवर के प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। क्षेत्रीय परिषद द्वारा ऐसे पारंपरिक प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों तक सक्रिय रूप से पहुंचने के लिए यह परिपत्र जारी किया गया था। 11.50 लाख से अधिक पंजीकृत किसानों और 04.60 लाख से अधिक जारी किए गए प्रमाणपत्रों के साथ प्रमाणन प्रणाली की प्रक्रिया और विश्वसनीयता को बनाए रखा गया है।

*****